भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 554

बुधवार, दिनांक 03 दिसम्बर, 2025 को उत्तर दिए जाने हेतु

नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास

554. श्री अनूप संजय धोत्रे:

श्री बिप्लब कुमार देब:

क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अगली पीढ़ी की नवीकरणीय प्रौद्योगिकियों के लिए किए गए अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस संबंध में सरकार शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ किस प्रकार सहयोग कर रही है;

(ग) सरकार द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) सरकार ऊर्जा भंडारण और स्मार्ट ग्रिड में नवाचार को किस प्रकार प्रोत्साहित करती है;

(ङ) क्या स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने वाले स्टार्टअप्स के लिए विशेष अनुदान या निधि उपलब्ध है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार का ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए उन्नत सौर सेल, पवन टर्बाइन और ऊर्जा भंडारण के अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) से (ङ.) मंत्रालय, देश में कुशल और किफायती तरीके से ऊर्जा भंडारण और स्मार्ट ग्रिड प्रौद्योगिकियों सहित नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा के व्यापक अनुप्रयोगों के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकियों और विनिर्माण को विकसित करने के लिए विभिन्न अनुसंधान संस्थानों और उद्योग के माध्यम से "नवीकरणीय ऊर्जा अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम (आरई-आरटीडी)" को कार्यान्वित कर रहा है।

ऊर्जा-आरटीडी कार्यक्रम के तहत, मंत्रालय सरकारी/गैर-लाभकारी अनुसंधान संगठनों को 100% तक वित्तीय सहायता प्रदान करता है और उद्योग, स्टार्ट-अप, निजी संस्थानों, उद्यमियों और उत्पादन इकाइयों को 70% तक सहायता प्रदान करता है।

(च) जी हाँ, महोदय। सरकार RE-RTD कार्यक्रम के माध्यम से उन्नत नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान, विकास और प्रदर्शन में निरंतर निवेश बढ़ा रही है, जिसमें पेरोव्स्काइट और पेरोव्स्काइट-सिलिकॉन टैंडम सॉलर सेल जैसी अगली पीढ़ी की सौर सेल प्रौद्योगिकियां पवन संसाधन मूल्यांकन, और उभरती हुई ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियां शामिल हैं ।

****